सुलेखा समिति कार्य वृतांत

सुलेखा समिति द्वारा आयोजित प्रथम राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता "महिलाओं की शिक्षा का स्वरूप कैसा हो" संगठन के पाँचों अंचल के प्रत्येक प्रदेश में आयोजित की गई। क्षेत्रीय स्तर से शुरू होकर जिला स्तर और फिर प्रदेश स्तर तक आते आते प्रतियोगिता मे लोकप्रियता के अनेक आयाम जुड़ते गये। प्रतियोगिता के विषय पर सभी ने अपनी रूचि दर्शायी। परिणाम स्वरूप सभी प्रदेशों मे 10-12 या इससे भी अधिक प्रस्तुतियाँ आई।

सबसे ज्यादा हर्ष की बात है कि सभी 27 प्रदेशों से 3-3 प्रतियां चयनित होकर आई। अ.भा.मा.म.सं. के प्रदेशों की शतप्रतिशत भागीदारी, प्रदेश अध्यक्ष, सचिव, पदाधिकारी गण व सदस्यों का उत्साह पूर्ण सहयोग राष्ट्रीय नेतृत्व एवं संगठन के प्रति विश्वास और आस्था का परिचायक है।

प्रदेशों ने प्रतिभागियों को अपने स्तर पर चयनित कर प्रथम, द्वितीय,तृतीय औऱ सांत्वना पुरस्कारों से सम्मानित कर उनका उत्साह वर्धन किया।

हैदराबाद में महिला दिवस पर बिट्स पिलानी हैदराबाद की डीन डा. सुमन काबरा का सुलेखा समिति संयोजिका डा. अनुराधा जाजू द्वारा साक्षात्कार लिया गया। महिला सशक्तिकरण हेतु पढाई एवं प्रतियोगिता की तैयारी कैसे हो इस पर चर्चा हुई।

गुजरात में पोस्टर प्रतियोगिता " नमामि गंगे" स्थानीय व प्रान्तीय स्तर पर हुई। प्रदेश स्तर पर कोलाज प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।

सुलेखा समिति

मुहावरे प्रतियोगिता

1. अधजल गगरी ____ _____।
2. अब पछताए होत क्या, ______ ______ ______ ______।
3. आम के आम ______ _____ _______।
4. ऊँची दूकान _____ _______ ।
5. घर का भेदी ______ _______।
6. जिसकी लाठी ______ _______।
7. जल में रहकर ______ _____ _______।
8. थोथा चना _____ _____।
9. बिन माँगे मोती मिले, ______ ______ ______ ______।
10. मन चंगा तो ______ _____ ______।
11. नया नौ दिन ______ ___ _______।
12. बगल में छुरी _________ __ __________।
13. चमड़ी जाए पर ______ ______ _______ ।
14. सौ सुनार की ______ _____ ______।
15. सावन हरे न ______ _______।

क्रमांक-14/17 दिनांक-19/03/2017

श्रीमती मंजू जी [illegible],
राष्ट्रीय प्रभारी (सुलेखा)
महोदया,

सुलेखा समिति के अन्तर्गत उत्तरी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के इस सत्र के अब तक किये गये कार्यों का विवरण निम्न है-

राष्ट्रीय लेख प्रतियोगिता "महिलाओं की शिक्षा का स्वरूप कैसा हो ?" स्थानीय [illegible] समिति, हनुमानगढ़ समिति तथा पूरे प्रदेश स्तर पर आयोजन किया गया।

प्रदेश में कुल 25 प्रतियोगियों ने भाग लिया तथा 12 भागों को प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय एवं दो सांत्वना पुरस्कार घोषित किये गये।

रिपोर्ट मय फोटोग्राफ सादर प्रेषित है।

धन्यवाद!

सेवा त्याग सदाचार